पुत्रकाम शुभ जग्य करावा ।। भगति सहित मुनि आहुति दीन्हे प्रगटे अगिनी चरू कर लीन्हे ।।
जो बसिष्ठ कछु हृदय बिचारा । सकल काजु भा सिद्ध तुम्हारा ।।
|| Ram Katha 970 - *मानस श्रृंगी ऋषि || Lakhisarai,Bihar || मोरारी बापू

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 177 | इंदौर, शनिवार 10 जनवरी, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

₹2.87 करोड़ के गबन में 5 कर्मचारी सस्पेंड

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर में स्कूल शिक्षा विभाग के बीओ कार्यालय में 2 करोड़ 87 लाख रुपए के गबन मामले में कार्यालय के पांच कर्मचारियों को कलेक्टर ने सस्पेंड कर दिया है। इनके नाम अकाउंटेंट दिनेश पवार, मेघा चार्ल्स, भृत्य सिद्धार्थ जोशी, राहुल अहिरे और अतुल त्रिवेदी है। इस मामले में सरकारी खजाने से गबन कर अपने नजदीकी लोगों के बैंक खातों में पहुंचा गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर शिवम वर्मा ने इसकी जांच संयुक्त संचालक, कोष एवं लेखा, इंदौर को सौंपी थी। आयुक्त कोष एवं लेखा, भोपाल द्वारा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) के अनुसार गबन से जुड़े लगभग 150 खातों को फ्रीज किया जा चुका है। यह गड़बड़ी वर्ष 2018 से 2025 के बीच की बताई जा रही है। इंदौर विकासखंड कार्यालय से अनुदान, छात्रवृत्ति और जीपीएफ मद में प्राप्त होने वाली राशि का दुरुपयोग किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज सीधी जिले में 209 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को सीधी जिले के बहरी में 201 करोड़ 64 लाख रुपये की लागत वाले कुल 209 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री विभिन्न विभागों के हितग्राहियों के लिए प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 68 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाले 179 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। ये कार्य अनुसूचित जाति विभाग, आदिवासी विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, जिला पंचायत वाटरशेड, राजस्व विभाग, लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग और स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत हैं। इन कार्यों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और ग्रामीण विकास को मजबूती मिलेगी। इसके अलावा 133 करोड़ 62 लाख रुपये की लागत वाले 30 विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया जाएगा। यह कार्य पंचायत एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग (प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना–वाटरशेड विकास), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पीआईयू विभाग और लोक निर्माण विभाग (भवन/सड़क) के अंतर्गत हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 'एक बगिया मां के नाम' योजना में 505 हितग्राहियों को 11 करोड़ 58 लाख रुपये की राशि वितरित करेंगे। इस कार्यक्रम से शासन की योजनाओं की जानकारी सीधे लाभार्थियों तक पहुंचेगी और उनके प्रभावी क्रियान्वयन में मदद मिलेगी।

2026 'कृषि वर्ष' का शुभारंभ 11 को

सीएम 1101 ट्रैक्टरों को दिखाएंगे हरी झंडी 30 हजार किसानों को करेंगे संबोधित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश सरकार 11 जनवरी को भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन में वर्ष 2026 को औपचारिक रूप से 'कृषि वर्ष' घोषित करेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत करेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री द्वारा 1101 ट्रैक्टरों की सांकेतिक रैली को हरी झंडी दिखाकर की जाएगी। इसके बाद मुख्यमंत्री जंबूरी मैदान में कृषि एवं उससे संबंधित विभागों पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन करेंगे तथा प्रदेश भर से आए लगभग 30 हजार किसानों को संबोधित करेंगे। इस आयोजन में भोपाल और नर्मदापुरम संभाग के विभिन्न जिलों से किसान भाग लेंगे। ट्रैक्टर रैली और रोड शो के माध्यम से राज्य सरकार किसानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का संदेश देगी।

सरकार का उद्देश्य वर्ष 2026 को कृषि के लिए निर्णायक वर्ष बनाना है। 'कृषि वर्ष' के तहत किसानों की आय बढ़ाने, खेती को आधुनिक और तकनीक आधारित बनाने तथा कृषि से जुड़े रोजगार को सशक्त करने पर विशेष फोकस रहेगा। इसके लिए सरकार ने एक स्पष्ट और दीर्घकालिक रोडमैप तैयार किया है। किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री किसानों से सीधा संवाद

करेंगे, उनकी समस्याएं सुनेंगे और आगामी वर्षों की कृषि नीतियों एवं योजनाओं की जानकारी साझा करेंगे। सरकार का मानना है कि इस पहल से खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने की दिशा में ठोस कदम बढ़ेंगे और मध्यप्रदेश देश के अग्रणी कृषि राज्यों में शामिल होगा।

कृषि वर्ष 2026 के प्रमुख उद्देश्य

1. किसानों की आय में वृद्धिः खेती को लाभकारी, टिकाऊ और तकनीक आधारित रोजगार मॉडल में बदलना।
2. कृषि आधारित उद्योगों का विकासः खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी, मत्स्य पालन और उद्यानिकी को बढ़ावा देना।
3. नवाचार और आधुनिक तकनीकः ड्रोन सेवाएं, हाइड्रोपोनिक्स, एग्री-स्टेक, किसान उत्पादक संगठन (FPO) प्रबंधन से युवाओं को जोड़कर रोजगार सृजन।
4. प्राकृतिक खेती और संतुलित उर्वरक उपयोगः मृदा स्वास्थ्य परीक्षण, पर्यावरण अनुकूल खेती और रासायनिक उर्वरकों के संतुलित प्रयोग को प्रोत्साहन।

वाहन चालकों को बड़ी छूट मिली

50 हजार का टैक्स अब सिर्फ 5 हजार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर समेत मप्र के सभी वाहन चालकों को बड़ी छूट मिली है। मध्य प्रदेश परिवहन विभाग ने वाहन स्वामियों को बड़ी राहत देते हुए मोटरयान कर एवं पेनाल्टी के बकाया भुगतान पर 90 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की है। यह छूट मध्य प्रदेश शासन, परिवहन विभाग, की अधिसूचना दिनांक 12 अगस्त 2025 के तहत दी जा रही है। परिवहन विभाग द्वारा राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति के लिए वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में मोटरयान कर बकायादारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का अभियान भी शुरू किया जा रहा है। विभाग ने वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे इस एकमुश्त जमा योजना का लाभ उठाकर बकायादारों की सूची से नाम हटवाएं और स्क्रैपिंग के बाद नया वाहन खरीदने पर दोहरा लाभ प्राप्त करें।

एआरटीओ अर्चना मिश्रा ने बताया कि यह योजना विशेष रूप से उन वाहन स्वामियों के लिए फायदेमंद है, जिन पर लंबे समय से मोटरयान कर बकाया चला आ रहा है। योजना के माध्यम से न केवल भारी छूट मिल रही है, बल्कि पुराने और अनुपयोगी वाहनों से भी छुटकारा पाया जा सकता है। कई वाहन स्वामी इस योजना का लाभ लेना शुरू कर चुके हैं। आग्रह किया गया है कि ऐसे सभी वाहन स्वामी

जिनके वाहनों पर मोटरयान कर अथवा शास्ति बकाया है, वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर इस योजना का लाभ अवश्य उठाएं।इसके आदेश के अनुसार राज्य में पंजीकृत किसी भी प्रवर्ग और किसी भी आयु-सीमा के ऐसे मोटरयान, जिन पर मोटरयान कर और पेनाल्टी शास्ति की राशि बकाया है, यदि उन्हें मध्य प्रदेश की किसी प्राधिकृत पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा (RVSF) के माध्यम से स्क्रैप कराया जाता है और 31 मार्च 2026 तक एकमुश्त भुगतान किया जाता है, तो बकाया राशि पर 90 प्रतिशत की छूट का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही वाहन स्क्रैप कराने पर प्राप्त Certificate of Deposit सीओडी के आधार पर यदि नया वाहन खरीदा जाता है और उसका पंजीयन कराया जाता है, तो देय मोटरयान कर एवं शुल्क में भी छूट का लाभ लिया जा सकेगा। मान लीजिए किसी वाहन स्वामी पर पुराने वाहन का मोटरयान कर और पेनल्टी मिलाकर 50 हजार रुपये बकाया है। यदि वह वाहन को अधिकृत RVSF केंद्र पर स्क्रैप कराकर 31 मार्च 2026 तक एकमुश्त भुगतान करते हैं, तो उसे 90 प्रतिशत छूट मिलेगी। यानी अब उसे केवल 5 हजार रुपये ही जमा करने होंगे और शेष 45 हजार रुपये माफ हो जाएंगे। इसके अलावा, स्क्रैपिंग के बाद मिले Certificate of Deposit के आधार पर नया वाहन खरीदने पर पंजीयन शुल्क और मोटरयान कर में भी अतिरिक्त छूट का लाभ मिलेगा।

इंदौर बनेगा क्षेत्रीय आर्थिक विकास का प्रमुख इंजन

नीति आयोग के सहयोग से इंदौर आर्थिक क्षेत्र के लिए समग्र इकनॉमिक प्लान की प्रक्रिया प्रारंभ

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग द्वारा राज्य में क्षेत्रीय आर्थिक विकास को सुदृढ़ और संतुलित बनाने के उद्देश्य से जी-हब (ग्रोथ हब) पहल प्रारंभ की गई है। इस पहल के अंतर्गत इंदौर आर्थिक क्षेत्र (आईईआर) एवं भोपाल आर्थिक क्षेत्र (बीईआर) को प्रदेश के विकास के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किए जाने की दिशा में ठोस एवं दूरदर्शी योजना तैयार की जा रही है।

इस पहल का उद्देश्य औद्योगिक विकास, आधारभूत अवसंरचना, मानव संसाधन, निवेश क्षमता एवं संस्थागत मजबूती का समेकित आकलन कर एक ऐसा इकनॉमिक प्लान तैयार करना है, जिससे रोजगार सृजन को बढ़ावा मिले और "समृद्ध मध्यप्रदेश" के विजन को गति मिल सके। इस क्रम में नीति आयोग भारत सरकार के मार्गदर्शन में शुक्रवार को इंदौर स्थित कलेक्टर कार्यालय में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नीति आयोग भारत सरकार की प्रिंसिपल इकोनॉमिक एडवाइजर सुश्री एना रॉय द्वारा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर रोशन राय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में इंदौर आर्थिक क्षेत्र से संबंधित आर्थिक गतिविधियों, प्रमुख विकास परियोजनाओं, औद्योगिक संभावनाओं, आधारभूत संरचना, रोजगार सृजन, निवेश अवसरों तथा क्षेत्रीय विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

इंदौर मेट्रोपोलिटन रीजन के लिए विशेष फोकस

बैठक में सुश्री राय ने बताया कि आगामी चरणों में विभागों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श कर इंदौर मेट्रोपोलिटन रीजन के लिए एक समग्र आर्थिक विकास ढांचा तैयार किया जाएगा। इसमें ग्रोथ ड्राइवर्स, प्राथमिक विकास परियोजनाएं तथा प्रदेश के दीर्घकालिक विजन में इंदौर की भूमिका को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाएगा।

डेटा आधारित योजना निर्माण पर जोर

बैठक में सुश्री एना राय ने अधिकारियों को अवगत कराया कि इंदौर आर्थिक क्षेत्र एवं भोपाल आर्थिक क्षेत्र से संबंधित विभागीय एवं जिला स्तरीय सूचनाओं का संकलन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (Google लिंक) के माध्यम से किया जा रहा है। इन आंकड़ों का विश्लेषण कर क्षेत्र की वास्तविक आवश्यकताओं, विकास की संभावनाओं तथा प्राथमिकताओं को चिन्हित किया जाएगा, जिससे योजना निर्माण अधिक सटीक और प्रभावी हो सके।

विभागीय सहभागिता से बनेगा मजबूत रोडमैप

बैठक में जिला एवं विभागीय अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित हाई ग्रोथ सेक्टर्स, वर्तमान में संचालित योजनाओं एवं परियोजनाओं तथा आवश्यक नीतिगत सुधारों पर महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। बताया गया कि कृषि, स्वास्थ्य, अवसंरचना, मैन्युफैक्चरिंग, पर्यटन, स्मार्ट सिटी, लॉजिस्टिक्स एवं शहरी विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर प्राप्त सुझावों को योजना में सम्मिलित किया जाएगा।

मोबिलिटी और शहरी सुविधा भी होंगी शामिल

बैठक में सुश्री राय ने बताया कि आर्थिक विकास को गति देने के लिए शहरी मोबिलिटी, पब्लिक ट्रांसपोर्ट एवं यातायात प्रबंधन को भी इकनॉमिक प्लान का अभिन्न हिस्सा बनाया जाएगा, जिससे नागरिक सुविधाओं के साथ-साथ औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिल सके। G-Hub पहल के माध्यम से इंदौर आर्थिक क्षेत्र को एक सशक्त, समावेशी और टिकाऊ विकास मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में यह प्रक्रिया एक महत्वपूर्ण कदम है, जो आने वाले वर्षों में निवेश, रोजगार और समग्र विकास को नई ऊँचाइयाँ देगी।

स्वामी विवेकानंदजी का जन्मदिवस 'युवा दिवस' के रूप में मनाया जाएगा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। आगामी 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद का जन्मदिवस 'युवा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस मुख्य कार्यक्रम म.प्र. शासन के आतिथ्य में आर.ए.पी.टी.सी. मैदान महेश गार्ड लाईन इन्दौर पर होना है। 12 जनवरी को प्रातः 9 से 10.30 बजे तक सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन होगा। यह जानकारी देते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा विभाग के 4000 छात्र/छात्राओं एवं शिक्षक/शिक्षिकाएं एवं जनप्रतिनिधिगण शामिल होंगे। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक, धार्मिक एवं अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। जिसमें सहज योग केन्द्र, आरोग्य भारती, प्रजापिता ब्रहमकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, योग एसोसिएशन म.प्र. इन्दौर योग संघ, एन.सी.सी. इन्दौर स्काउट गाईड इन्दौर, भारत स्वाभीमान ट्रस्ट इन्दौर, पतंजलि योग समिति, आर्ट ऑफ लिविंग संस्था, अशासकीय शिक्षण संस्थाओं तथा संबंधित विभागों, संगठनों पालक शिक्षक संघ, विभिन्न योग संस्थाएं, विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी, आर्य समाज, विद्या भारती शिक्षा संस्थान, आरोग्य भारती, ईशा फाउडेशन श्री रामकृष्ण मिशन विद्यापीठ, गायत्री परिवार, आर्य समाज, आदिवासी विभाग विभाग के छात्रावास, स्थानीय खेल क्लब, पंचायत, सहकारी संस्थाएं, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में पुरस्कृत प्रतिभाएँ, विभिन्न विभागों के अधिकारी/कर्मचारी नगर सुरक्षा समितियों आदि की सहभागिता रहेगी।

अंगों को नुकसान पहुंचा और कई मरीज अचानक गंभीर हो गए

इंदौर। भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों के मामले में कई कारण सामने आए हैं। यहां पर इलाज कर रहे डॉक्टरों ने बताया कि कोई लिवर फेल होने की वजह से तो कोई किडनी में नुकसान पहुंचने की वजह से नहीं बच पाया। इसके साथ लगातार उल्टी, दस्त और कमजोरी ने लोगों को कुछ मामलों में सेप्टिक शॉक और मल्टी ऑर्गन फेल्योर की स्थिति में भी पहुंचा दिया।

प्रारंभिक लक्षणों को टालने के कारण संक्रमण खून में फैल गया और शरीर की रक्षा प्रणाली लगातार कमजोर होती गई इससे शरीर के अन्य अंगों को नुकसान पहुंचा और कई मरीज अचानक गंभीर हो गए। अच्छे इलाज के बावजूद उन्हें बचाना मुश्किल हो गया। भागीरथपुरा में इलाज कर रही स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मनीषा मिश्रा ने बताया कि मौतें केवल दस्त या उल्टी से नहीं हुई। यह एक ऐसी मेडिकल प्रक्रिया थी, जिसमें शरीर का पूरा सिस्टम धीरे-धीरे जवाब देता चला गया और आखिर में जान चली गई। दूषित पानी पीने के बाद सबसे पहले आंतों में संक्रमण हुआ और बाद में यह पूरे शरीर में फैलता गया। उल्टी दस्त की वजह से डिहाइड्रेशन बढ़ता गया और दूसरे अंगों ने भी काम करने बंद कर दिया। कई मरीजों में बीपी कम हुआ, मरीज को शॉक लगा और फिर उसका संभलना मुश्किल हो गया। डॉक्टर मनीषा ने कहा कि पानी में मौजूद बैक्टीरिया या अन्य पैथोजन आंतों की कार्यप्रणाली को बिगाड़ देते हैं, जिससे तेज दस्त और उल्टी शुरू हो जाती है। बाहर से यह बीमारी सामान्य लग सकती है, लेकिन भीतर शरीर तेजी से कमजोर होने लगता है। एमजीएम के मेडिसिन विभाग अध्यक्ष डॉ. एडी भटनागर ने बताया कि लगातार दस्त और उल्टी से कई मामलों में जान चली जाती है। इसके कारण कुछ ही घंटों में शरीर से बड़ी मात्रा में पानी और जरूरी मिनरल बाहर निकल जाते हैं। उन्होंने कहा कि सोडियम, पोटेशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, क्लोराइड और बाइकार्बोनेट शरीर के लिए बेहद जरूरी होते हैं। लगातार उल्टी और दस्त की स्थिति में यह शरीर में कम होने लगते हैं। इसे मेडिकल भाषा में गंभीर इलेक्ट्रोलाइट डिहाइड्रेशन और इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन कहा जाता है। यही वह मोड़ होता है, जहां शरीर का तापमान, ब्लड प्रेशर और हार्ट रेट असंतुलित होने लगते हैं और मरीज को संभालना मुश्किल होता जाता है। जब इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बिगड़ता है, तो इसका सीधा असर किडनी और हार्ट पर पड़ता है। किडनी पर्याप्त मात्रा में खून को फिल्टर नहीं कर पाती, जिससे शरीर में टॉक्सिन जमा होने लगते हैं। वहीं हार्ट की धड़कन अनियमित हो सकती है। कई मामलों में यही स्थिति कर्डियक अरेस्ट या ऑर्गन फेल्योर तक पहुंच जाती है। इस तरह के मामलों में सबसे ज्यादा खतरा बुजुर्गों, बच्चों और पहले से बीमार मरीजों को होता है। इनकी बॉडी रिजर्व क्षमता कम होती है, यानी शरीर लंबे समय तक डिहाइड्रेशन और इन्फेक्शन का दबाव नहीं झेल पाता। कई बार मरीज अस्पताल पहुंचता है, तब तक अंदरूनी नुकसान जानलेवा स्तर तक पहुंच चुका होता है। इसके साथ जिन मरीजों को पहले से कई बीमारियां होती हैं वह भी इस तरह की स्थिति में जल्द गंभीर हो जाते हैं।

भागीरथपुरा में स्थिति नियंत्रित भले ही है, लेकिन संतोषजनक नहीं

● कैलाश विजयवर्गीय ने किया दौरा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। दूषित पानी कांड का दंश झेल रहे भागीरथपुरा में हालात तेजी से सामान्य हो रहे हैं। शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने यहां चल रहे ड्रेनेज और पानी की लाइन के काम को देखा। अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। इशारों ही इशारों में मंत्री ने सिर्फ इतना ही कहा कि भागीरथपुरा में स्थिति नियंत्रित भले ही है, लेकिन संतोषजनक नहीं। मतलब साफ है कि भागीरथपुरा में स्थिति पूरी तरह से

सामान्य होने में अभी कुछ सप्ताह और लगेंगे। शुक्रवार को क्षेत्र में उल्टी-दस्त के 12 नए मरीज मिले। इनमें से चार को अस्पताल रेफर करना पड़ा। वर्तमान में 56 मरीजों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। नगर निगम ने शुक्रवार रात एक बार फिर क्षेत्र में टंकी से पानी सप्लाय का ट्रायल किया। निगमायुक्त क्षीतिज सिंघल का कहना है कि अभी कुछ और ट्रायल किए जाएंगे। हम पानी सप्लाय करने के साथ-साथ सेंपलिंग भी कर रहे हैं। सब कुछ ठीक रहा तो आने वाले दो-तीन दिन में भागीरथपुरा क्षेत्र में टंकी से पानी की नियमित सप्लाई बहाल हो जाएगी। शुक्रवार शाम एसीएस नीरज मंडलोई ने भागीरथपुरा मामले में संभागायुक्त कार्यालय में बैठक भी की। अधूरा उपचार बन रहा जी का जंजाल यह बात भी सामने आई कि भागीरथपुरा में नए मरीजों की संख्या भले ही कम हो रही है, लेकिन पुराने मरीज घर पहुंचने के बाद दोबारा डिस्पेंसरी पहुंच रहे हैं। डाक्टरों का कहना है कि क्षेत्र में कई मरीज ऐसे हैं जो उल्टी-दस्त से राहत मिलने के बाद कोर्स पूरा नहीं करते और दवाई बीच में ही बंद कर देते हैं। ऐसे लोगों में उल्टी-दस्त की शिकायत दोबारा होने की आशंका अधिक रहती है। डिस्पेंसरी पहुंचने वाले 80 प्रतिशत मरीज ऐसे ही हैं जिन्होंने दवाई का कोर्स ही पूरा नहीं किया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने भी शुक्रवार सुबह भागीरथपुरा पानी की टंकी पर सभी अपर आयुक्तों के साथ क्षेत्र में चल रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने जल प्रदाय एवं सीवरेज लाइन संधारण के काम को भी देखा। वे संजीवनी क्लिनिक भी पहुंचे और वर्तमान में कितने प्रभावित उपचार के लिए आ रहे हैं, किन-किन अस्पतालों में उपचार चल रहा है, आदि के बारे में जानकारी ली।

युवती ने कॉलसेंटर कर्मचारी को चप्पल से पीटा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। लसूड़िया क्षेत्र में गुरुवार को उस समय हंगामा हो गया, जब एक कॉल सेंटर में काम करने वाली युवती ने कथित तौर पर परेशान करने वाले युवक की सड़क पर चप्पलों से पिटाई कर दी। मामले में पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ छेड़छाड़ सहित गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है।

पुलिस के अनुसार 33 वर्षीय पीड़िता ने शिकायत में बताया कि वह पिछले पांच वर्षों से एक कॉल सेंटर में कार्यरत है। वहीं मोहम्मद अब्दुल सलाम उसी कॉल सेंटर में एमओ के पद पर काम करता था। युवती का आरोप है कि नवंबर 2025 से आरोपी उसे लगातार परेशान कर रहा था और दोस्ती बढ़ाने के लिए दबाव बना रहा था। आरोपी उसे यह कहकर बहलाने की कोशिश करता था कि उसकी बात मानने से उसका भविष्य बेहतर हो जाएगा। पीड़िता ने बताया कि उसने कई बार आरोपी को समझाया, लेकिन वह नहीं माना। आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने धर्म परिवर्तन का दबाव भी बनाया और कहा कि अगर वह उसकी बात माने तो सारी व्यवस्था कर देगा। इन हरकतों से परेशान होकर युवती ने दिसंबर 2025 में नौकरी से इस्तीफा दे दिया, हालांकि नोटिस पीरियड के चलते उसे दो महीने तक काम पर जाना पड़ा। पीड़िता का आरोप है कि जब आरोपी को उसके नौकरी छोड़ने की जानकारी मिली, तो उसने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। गुरुवार को आरोपी ने कथित तौर पर उसका हाथ पकड़ लिया, जिसके बाद युवती ने विरोध किया तो वह वहां से भाग गया। इसके बाद युवती ने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं से संपर्क किया। कार्यकर्ताओं ने आरोपी को ढूंढ निकाला, जहां गुस्से में युवती ने उसकी चप्पलों से पिटाई कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को थाने ले गई। बजरंग दल के संयोजक जयंश मौर्य और देवा शर्मा ने दावा किया कि आरोपी के मोबाइल फोन से अन्य युवतियों के नंबर और कथित तौर पर आपत्तिजनक चैट भी मिली है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपी से पूछताछ जारी है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

द्वारकापुरी थाने की कार्रवाई के विरोध में अभाविप का प्रदर्शन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। द्वारकापुरी थाने में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पक्ष के लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने को लेकर शुक्रवार को अभाविप के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने कमिश्नर कार्यालय पर जमकर नारेबाजी की। उन्होंने यहां टीआई मनीष मिश्रा को भी हटाए जाने की मांग की। उनका कहना था कि पुलिस ने उनके खिलाफ द्वेषपूर्वक कार्रवाई की है।

द्वारकापुरी इलाके के वैष्णव मैनेजमेंट महाविद्यालय में तीन दिन पहले हुए विवाद मामले में पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सैकड़ों विद्यार्थियों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने थाना प्रभारी मनीष मिश्रा और एसीपी शिवेन्द्र जोशी को हटाने की मांग की। पिछले दिनों द्वारकापुरी थाना क्षेत्र के वैष्णव मैनेजमेंट महाविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और अन्य गुट के विद्यार्थियों के बीच चुनाव से जुड़े मुद्दे को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद विद्यार्थी परिषद के सैकड़ों कार्यकर्ता थाने पर शिकायत करने पहुंचे थे। थाना प्रभारी और एसीपी ने मामला शांत कराते हुए घायल पक्ष की ओर से प्रकरण दर्ज किया था, लेकिन छात्र संगठन के वहां से जाने के बाद दूसरे पक्ष की ओर से भी शिकायत दर्ज कर ली गई। इसके बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मामले में नाराजगी जताते हुए आरोप लगाया कि राजनीतिक दबाव के चलते पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। इसके विरोध में आज पलासिया स्थित पुलिस कमिश्नर कार्यालय पर विद्यार्थी परिषद ने प्रदर्शन किया और थाना प्रभारी व एसीपी पर कार्रवाई की मांग की। इस दौरान विद्यार्थी परिषद के अवधेश गुर्जर सहित अन्य लोग मौजूद रहे। एसीपी तुषार सिंह ने उनका आवेदन लिया और मामले में निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया।

मासूम का अंगूठा कटा, नर्स सस्पेंड

इंदौर। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के न्यू चेस्ट वार्ड में नर्सिंग लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। यहां एडमिट डेढ़ माह के मासूम का इंट्राकेथ बदलते समय नर्सिंग ऑफिसर ने तेज और लापरवाही से कैंची चला दी, जिससे बच्चे का अंगूठा कटकर अलग हो गया और जमीन पर गिर पड़ा।

घटना बुधवार दोपहर करीब 2 बजे की है। मामला सामने आने के बाद डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने नर्सिंग ऑफिसर आरती श्रोत्रिय को सस्पेंड कर दिया है। साथ ही तीन नर्सिंग इंचार्ज का एक-एक माह की वेतन रोक दिया है। हादसे के बाद नर्सिंग ऑफिसर को चक्कर आ गए। मौके पर मौजूद ड्यूटी डॉक्टर और स्टाफ ने तत्काल ड्रेसिंग कर मामले को संभालने और दबाने की कोशिश की। बच्चे को तुरंत सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल भेजा गया, जहां सर्जरी कर उसका अंगूठा जोड़ा गया। परिजनों को भरोसा दिलाया गया कि घबराने की कोई बात नहीं है। बताया गया कि 24 दिसंबर को बेटमा के बजरंगपुरा गांव निवासी अंजुबाई के डेढ़ माह के बच्चे को निमोनिया के चलते अस्पताल में भर्ती किया गया था। मां ने बताया कि हाथ में सूजन होने पर नर्सिंग ऑफिसर को बुलाया गया था। इंट्रा कैथ के टेप को काटते समय कैंची बच्चे के अंगूठे पर चल गई। मामले की जांच के लिए डॉ. अशोक यादव (सुपरिटेंडेंट, MYH) की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। कमेटी में डॉ. निर्भय मेहता (इंचार्ज, न्यू चेस्ट वार्ड), डॉ. रोहित बडेरिया (डिप्टी सुपरिटेंडेंट) और दयावती दयाल (नर्सिंग सुपरिटेंडेंट) को शामिल किया गया है। कमेटी ने नर्सिंग ऑफिसर के बयान दर्ज कर लिए हैं और जल्द ही जांच रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

शादी का झांसा देकर किया रेप, धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने लगा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। तिलक नगर थाना क्षेत्र में नाम बदलकर दोस्ती करने और शादी का झांसा देकर दुष्कर्म व धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का मामला सामने आया है। 30 वर्षीय पीड़िता हिंदूवादी नेताओं के पास पहुंची और हरियाणा निवासी आरोपी को बहाने से इंदौर बुलाया गया। जहां गुरुवार रात हिंदूवादी कार्यकर्ताओं ने उसे पकड़ा और तिलकनगर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने युवती की शिकायत पर उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की और उसे गिरफ्तार कर लिया है।

तिलक नगर पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान अजय उर्फ सलमान पुत्र इसरार खान निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी हरियाणा के रूप में हुई है। पीड़िता ने बताया कि उसकी आरोपी से करीब छह साल पहले इंस्टाग्राम के जरिए दोस्ती हुई थी। आरोपी ने खुद को अजय बताकर पहचान छिपाई और बातचीत के दौरान पीड़िता को भरोसा दिलाया कि वह उससे शादी करेगा और उसके बच्चों को भी अपनाएगा। पीड़िता के मुताबिक वह पहले से शादीशुदा है और पति से अलग रहकर इंदौर की एक कैंटीन में काम करती है। आरोपी ने शादी के लिए कुछ समय मांगा, लेकिन संबंध बनाने के बाद वह टालमटोल करता रहा। करीब तीन साल पहले आरोपी पीड़िता को हरियाणा घुमाने ले गया, जहां उसके मोबाइल पर रोशनी खान नाम की महिला के लगातार कॉल आने लगे। पूछताछ करने पर आरोपी ने बात टाल दी, लेकिन बाद में पीड़िता की रोशनी से बात हो गई और पता चला कि आरोपी का असली नाम सलमान है और रोशनी खान उसकी पत्नी है। जब पीड़िता ने विरोध किया और उससे अलग होने की बात कही तो आरोपी ने पत्नी को तलाक देने का भरोसा दिया और साथ रहने की बात कही। इस दौरान उसने पीड़िता पर धर्म परिवर्तन का दबाव भी बनाया। इंदौर लौटने के बाद पीड़िता ने उससे संपर्क तोड़ लिया, लेकिन आरोपी ने अलग-अलग नंबरों और फर्जी आईडी से कॉल व मैसेज कर फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी दी। आरोप है कि सितंबर 2025 में आरोपी इंदौर आया और तिलक नगर क्षेत्र के एक होटल में पीड़िता के साथ जबरन दुष्कर्म किया। इसके बाद वह लगातार संबंध बनाने का दबाव बनाने लगा। परेशान होकर पीड़िता ने अपनी सहेली को पूरी बात बताई और बाद में हिंदूवादी संगठन के लक्की रघुवंशी से संपर्क किया।

'कृषि वर्ष'... मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 1101 ट्रैक्टरों को दिखाएंगे हरी झंडी...

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश सरकार 11 जनवरी को भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन में वर्ष 2026 को औपचारिक रूप से 'कृषि वर्ष' घोषित करेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत करेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री द्वारा 1101 ट्रैक्टरों की सांकेतिक रैली को हरी झंडी दिखाकर की जाएगी। इसके बाद मुख्यमंत्री जंबूरी मैदान में कृषि एवं उससे संबंधित विभागों पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन करेंगे तथा प्रदेश भर से आए लगभग 30 हजार किसानों को संबोधित करेंगे। इस आयोजन में भोपाल और नर्मदापुरम संभाग के विभिन्न जिलों से किसान भाग लेंगे। ट्रैक्टर रैली और रोड शो के माध्यम से राज्य सरकार किसानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का संदेश देगी।

मंदिर का गेट गिरा मजदूर की मौत

छतरपुर, एजेंसी। जिले के नौगांव में धौर्रा मंदिर का गेट गिर गया। मलबे में दबकर एक मजदूर की मौत हो गई जबकि दो घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा निर्माण कार्य के दौरान हुआ। मृतक की पहचान राम मिलन पिता गोरेलाल के रूप में हुई है। एक घायल का नाम संतोष अहिरवार (45) बताया गया है। संतोष नौगांव में ही चांदोरा गांव का रहने वाला है। जानकारी मिलते ही छतरपुर सीएमएचओ आरके गुप्ता और सिविल सर्जन शरद चौरसिया जिला अस्पताल पहुंचे। घायलों के इलाज की जानकारी ली।

पुलिसकर्मी पर आरोप लगाकर कर ली खुदकुशी

मैहर, एजेंसी। जिले के अमरपाटन थाना इलाके में पुलिसकर्मी की ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर अनंतराम पटेल नाम के युवक ने गुरुवार देर रात फांसी लगा ली। शुक्रवार सुबह उसका शव पेड़ पर लटका मिला। उसने चार पन्नों का सुसाइड नोट लिखा है। वीडियो भी बनाया। दोनों को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। सुसाइड नोट में अनंतराम ने चार लोगों पर झूठे आपराधिक केस में फंसाने की धमकी देकर 5 लाख रुपए वसूलने का गंभीर आरोप लगाया है। इनमें अमरपाटन थाने के प्रधान आरक्षक लक्ष्मी रावत का नाम भी शामिल है। उसका मोबाइल नंबर भी सुसाइड नोट में लिखा है।

साढ़े 3 लाख शिक्षकों पर एस्मा लागू...

भोपाल, एजेंसी। प्रदेश में शुक्रवार को मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल से तीन पत्र सामने आए हैं। एमपी में आगामी बोर्ड परीक्षाओं को देखते हुए सरकार ने सख्त कदम उठाते हुए प्रदेश के साढ़े तीन लाख शिक्षकों पर एसेंशियल सर्विसेज मेंटेनेंस एक्ट (एस्मा) लागू कर दिया है। इसके अलावा डीएलएड एग्जाम का रिजल्ट भी घोषित कर दिया गया है। साथ ही बोर्ड ने स्टूडेंट्स को हाई स्कूल व हायर सेकेंडरी विषय संशोधन का आखरी मौका दिया है। एस्मा के तहत अब शिक्षक न तो छुट्टी ले सकेंगे और न ही किसी तरह का आंदोलन, धरना या प्रदर्शन कर सकेंगे। साथ ही परीक्षा संबंधी ड्यूटी से इनकार करना भी कानून के उल्लंघन की श्रेणी में आएगा। यह व्यवस्था 1 फरवरी से 30 अप्रैल तक लागू रहेगी। राज्य में 7 फरवरी से 10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो रही हैं, जिनमें करीब 17 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। इसी व्यवस्था के तहत माशिमं ने जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।

उज्जैन में 14 जनवरी से प्रारंभ होगा महाकाल महोत्सव

पुरातत्वविद् डॉ. वाकणकर ने पुरातत्व को बनाया जन आंदोलन : सीएम डॉ. यादव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सुप्रसिद्ध पुरातत्वविद् डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर का भारतीय पुरातत्व के क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान रहा है। पुरातत्वविद् डॉ. वाकणकर ने पुरातत्व को जन आंदोलन बना दिया था। यह उनके व्यक्तित्व और संप्रेषण का ही प्रभाव था कि उज्जैन का जन-जन अपने परिवेश को पुरातत्व की दृष्टि से देखने लगा था। पुरातत्व को लोक रुचि का विषय बनाने का डॉ. वाकणकर का प्रयास अद्भुत और अनुकरणीय था।

पुरातत्वविद् डॉ. वाकणकर अनेक प्रतिभाओं के धनी थे। उन्होंने सितार वादन, मूर्ति कला, चित्रकला, काव्य लेखन एवं संगीत के माध्यम से भारतीय संस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाया। पुरातत्वविद् डॉ. वाकणकर के परिश्रम और प्रयासों से काल गणना के केंद्र डोंगला की खोज हुई। उन्होंने बताया कि पृथ्वी की दीर्घकालीन घूर्णन धुरी में परिवर्तन के कारण उज्जैन में होने वाला शून्य देशांतर-रेखा और कर्क रेखा का मिलन उत्तर की ओर खिसक कर डोंगला में हुआ। पुरातत्वविद् डॉ. वाकणकर ने उज्जैन क्षेत्र में गहन सर्वेक्षण किया था। शंकु की सहायता से उन्होंने कर्क रेखा की नई स्थिति का पता लगाया। पुरातत्वविद् डॉ. वाकणकर ने शिलाओं और गुफाओं में छिपे प्रमाणों के माध्यम से भारतीय सभ्यता की उस कहानी को दुनिया के सामने रखा, जो लिखित इतिहास से भी पहले की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में 19वें डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर राष्ट्रीय सम्मान समारोह और राष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ अवसर पर यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पद्मश्री से सम्मानित डॉ. प्रो. यशोधर मठपाल को शॉल-श्रीफल और भू वराह की प्रतिकृति तथा 2 लाख रुपये का चैक भेंट कर 19वें डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर राष्ट्रीय सम्मान वर्ष 2022-2023 से सम्मानित किया। समारोह में अंतरराष्ट्रीय सितार वादक सुश्री स्मिता नागदेव एवं कवि लेखक राहुल शर्मा ने सितार और कविता की जुगलबंदी से डॉ. वाकणकर द्वारा रचित कविता 'इतिहास के पटल पर' का राग बैरागी भैरव में गायन प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा डॉ. वाकणकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने '20वीं सदी में मध्यप्रदेश में स्वाधीनता आंदोलन 1920-1947, दुर्लभ अभिलेख और छाया चित्रों की प्रदर्शनी' पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन किया तथा एक स्टॉल पर कुम्हार के चाक पर स्वयं शिवलिंग की प्रतिकृति का निर्माण कर भारतीय संस्कृति, कला एवं शिल्प परंपरा के प्रति सम्मान व्यक्त किया। संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय का तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन 11 जनवरी तक चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में देश में पुरातत्व संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। आज से 1000 साल पहले गुजरात के सोमनाथ महादेव मंदिर पर हुए आक्रमण के बाद आज हमारी आस्था का यह केंद्र भव्य और गौरवशाली रूप में स्थापित हो चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार उज्जैन में 14 जनवरी से महाकाल महोत्सव की शुरुआत करने जा रही है। राज्य सरकार उज्जैन में पुरातत्वविद् डॉ. वाकणकर की स्मृतियों और उनके द्वारा एकत्रित पुरातत्व ऐतिहासिक महत्व की वस्तुओं का संरक्षण करते हुए संग्रहालय को भी वर्तमान तकनीकी व्यवस्थाओं से लैस कर रही है।

प्रदेश के विकास और कल्याण के लिए जनता का अटूट विश्वास ही हमारी ताकत : डॉ. यादव

201 करोड़ रुपए के 209 विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सबके सहयोग से हम एक नया मध्यप्रदेश गढ़ने जा रहे हैं। विकसित मध्यप्रदेश के लिए गांव, गरीबों, किसानों, युवाओं, महिलाओं, सभी को आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्ध बनाना जरूरी है और हम इसी दिशा में मिशन मोड में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश के किसी भी क्षेत्र को विकास से वंचित नहीं रहने देंगे। विकास की राह पर हम सब मिलकर आगे बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को सीधी जिले की सिंहावल विधानसभा क्षेत्र के तहसील मुख्यालय बहरी में विभिन्न शासकीय विभागों के हितग्राहियों के प्रशिक्षण सह उनमुखीकरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनता का सरकार पर अटूट विश्वास ही हमें प्रदेश के समग्र विकास और कल्याण के लिए नई ऊर्जा और ताकत देता है। नए विकास कार्यों और नवरोजगार सृजन से हम प्रदेश की अर्थव्यवस्था को स्थायी मजबूती देने के लिए हर जरूरी प्रयास कर रहे हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम बहरी से ही सीधी जिले के लिए 201 करोड़ 64 लाख रूपए की लागत वाले कुल 209 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इसके अतिरिक्त 11 करोड़ 58 लाख रूपए की लागत से एक बगिया माँ के नाम के अंतर्गत 505 कार्यों का भी शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री ने 133 करोड़ 62 लाख रूपए के 30 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं 68 करोड़ रूपए से अधिक की लागत वाले 179 विकास कार्यों का लोकार्पण कर सीधी जिलेवासियों को कई निर्माण कार्यों की सौगातें दीं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहरी में नया कॉलेज खोलने की घोषणा की। यह कॉलेज अगले सत्र से ही प्रारंभ किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने ग्राम बहरी से चुरहट तक 129 करोड़ की लागत से 64.54 कि.मी. लंबे टू-लेन रोड निर्माण की भी घोषणा इस मौके पर की। उन्होंने सिंहावल और देवसर के महाविद्यालयों में विज्ञान और वाणिज्य संकाय की कक्षाएं प्रारंभ करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने देवसर में वर्तमान में संचालित पार्ट टाइम एडिशनल कलेक्टर कोर्ट को अब फुल टाइम संचालित किए जाने की घोषणा की। साथ ही सीधी जिले की गोपद नदी पर 500 मीटर लंबा एक नया पुल तथा महान नदी पर रपटा बनवाने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहावल विधानसभा क्षेत्र के कुछ स्कूलों को हाईस्कूल से हायर सेकेण्डरी स्कूल में प्रोन्नत करने तथा कुछ गांवों में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि बहरी तहसील क्षेत्र के सभी गांवों में सिंचाई की स्थायी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

चुनाव हारे, पद गया, फिर भी सरकारी बंगलों पर कब्जा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। विधानसभा चुनाव हारने, मंत्री पद जाने के बावजूद कई नेता बंगलों पर कब्जा किए हुए हैं। ऐसे नेताओं पर अब मोहन सरकार सख्ती बरतने जा रही है। अब इनसे बंगले खाली कराने की तैयारी की जा रही है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्व. प्रभात झा के परिवार को भेजे गए नोटिस में इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि यदि 13 जनवरी तक बंगला खाली नहीं किया तो प्रशासन बल प्रयोग कर बेदखली की कार्रवाई करेगा। पूर्व राजस्व मंत्री रामपाल सिंह, पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, पूर्व सहकारिता मंत्री अरविंद भदौरिया 2023 का विधानसभा चुनाव हार चुके हैं। इसके बावजूद वे बंगले में दो साल से डटे हुए हैं। वहीं पूर्व मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया भी वर्तमान में विधायक नहीं होने के बावजूद मंत्री रहते मिले बंगले को खाली नहीं कर रहीं। ऐसी ही स्थिति भोपाल की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर की है। सांसद नहीं होने के बाद भी वे सरकारी बंगले में डटी हुई हैं। संपदा संचालनालय के मुताबिक, प्रभात झा के परिवार को पहले ही 6 जनवरी को नोटिस दिया गया था, जबकि रामपाल को इससे पहले नोटिस दिया जा चुका है। अब सरकार ने साफ कर दिया है कि पात्रता समाप्त होने के बाद किसी भी स्थिति में सरकारी आवास पर कब्जा नहीं रहने दिया जाएगा।

संपादकीय

ISA से दूरी और भारत पर दबाव: अमेरिकी फैसलों के मायने

रूस से तेल खरीदने वालों पर अमेरिका 500 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दे रहा है। उसके निशाने पर भारत-चीन, ब्राजील हैं। अब हाल ही में अमेरिका ने ऐसे 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से खुद को अलग करना शुरू किया है, जो अमेरिकी हितों को ठेस पहुंचाते हैं। इन संगठनों में भारत की अगुवाई वाला इंटरनेशनल सोलर अलायंस (ISA) और उसके प्रभाव वाले इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (IPCC) भी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय वॉइट हाउस के एक बयान के मुताबिक, अमेरिका का यह फैसला संयुक्त राष्ट्र (UN) के 31 और गैर संयुक्त राष्ट्र के 35 निकायों पर असर पड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने कहा है कि ये संस्थान अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक वृद्धि या संप्रभुता का लंबे समय तक समर्थन नहीं करते हैं। कुछ मामलों में ये अमेरिकी प्राथमिकताओं के खिलाफ भी हैं। इंटरनेशनल सोलर अलायंस (ISA) एक वैश्विक संगठन है, जिसका गठन भारत और फ्रांस ने मिलकर 2015 में किया था। इसका मकसद है कि सौर ऊर्जा को बढावा देना, सोलर पॉवर के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ाना है, ताकि अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया सके। इसका एक मकसद जिन देशों में सूरज की रोशनी पर्याप्त मिलती है, उनमें सतत विकास को बढ़ावा दिया जा सके। इसका हेडक्वॉर्टर भारत में ही है। ISA एक ऐसे प्लेटफॉर्म की तरह काम करता है, जो सहयोग, निवेश, क्षमता बढ़ाने और इनोवेशन को बढ़ावा देता है, ताकि इससे ऐसा ग्लोबल सोलर मार्केट बन सके, जिससे कोयला-पेट्रोल आधारित फॉसिल फ्यूल पर निर्भरता घटाई जा सके और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटा जा सके। सोलर एनर्जी के मामले में 1 ट्रिलियन डॉलर का निवेश का लक्ष्य रखा गया है। यह पहला ऐसा अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जिसका हेडक्वॉर्टर भारत में है। ISA का गठन पेरिस में 2015 में COP21 सम्मेलन से इतर हुआ था। 2020 में इसके ढांचे में सुधार किया गया था, जिसमें कहा गया था कि इसके सदस्य यूएन के सभी सदस्य हो सकते हैं। मौजूदा वक्त में 100 से ज्यादा देश इसके हस्ताक्षरकर्ता देश हैं, जबकि 90 से ज्यादा देश इसके पूर्णकालिक सदस्य हैं। अमेरिका को न तो धरती की परवाह है और न ही पर्यावरण की। ट्रंप की नीतियों को लेकर एक्सपर्ट यह दावा करते हैं कि मौजूदा अमेरिकी प्रशासन का न तो अक्षय ऊर्जा और न ही क्लाइमेट चेंज जैसे मुद्दों पर फोकस है। अमेरिका इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (IPCC) से भी किनारा करने वाला है।

मुंशी प्रेमचंद की कहानी

नरक का मार्ग

'भक्तमाल' पढ़ते हुए न जाने कब नींद आ गई पता ही नहीं चला। भागवत प्रेम में ही कई महात्मा हर दम मग्न रहते थे। इस तरह की लग्न और भक्ति बड़े ही तप से प्राप्त होती है। क्या मुझसे वैसा तप नहीं हो पाएगा? जीवन में भक्ति से बड़ा क्या कोई सुख है? आभूषणों और धन-दौलत से जो प्रेम हो वो क्या प्रेम? इनका तो नाम सुनते ही मुझे बुखार सा हो जाता है। सुशीला ने इन आभूषणों और फूलों से मुझे कितना सजाया था। उसे मैंने मना भी किया था ये सब करने से, लेकिन वो मानी ही नहीं। इस शृंगार के दौरान जितना हम लोग हंसे थे बाद में मुझे उतना ही रोना पड़ा।

आखिर किसी का पती ऐसा होता है, जो अपनी पत्नी को सजा हुआ देखकर नाराज हो जाए। मेरे पति ने तो मुझे सजा-धजा देखकर गुस्सा किया और कहा कि तुम मेरा परलोक बिगाड़ दोगी। क्या किसी के पति ऐसे होते हैं, जो अपनी पत्नी की खूबसूरती और शृंगार देखकर गुस्सा करने लगें? उनके बातें सुनकर मन में तो होता है कि जहर ही खा लूं, लेकिन फिर मैंने नीचे जाकर 'भक्तमाल' पढ़ना शुरू कर दिया। फिर मन ही मन ठान लिया कि अपने इस शृंगार को सिर्फ बांके बिहारी को ही दिखाऊंगी और उनकी ही दिन रात सेवा करूंगा। कम-से-कम वो तो मेरे शृंगार से पति की तरह नहीं जलेंगे।

भगवान मैंने हमेशा से ही अपने पति को अपना इष्ट मानना चाहा। सोचा कि उन्हें किसी तरह का दुख न दूं और हरदम उनकी ही सेवा करूं। अब क्या करूं सारा दोष मेरे नसीब का ही है। वो तो निर्दोष हैं। मेरे भाग्य में जैसा लिखा है मैं वो सब भोग रही हूं। इतना सब पता होने के बाद भी जब भी उन्हें देखती हूं, तो मन में दुख होता है। जब वो कुछ दिनों के लिए बाहर चले जाते हैं, तो मन का बोझ कुछ कम हो जाता है। उनके न होने से हंसने-खेलने और जीवन को जीने लगती हूं। फिर जब कुछ दिनों बाद वो लौट आते हैं, तो उसी तरह का सन्नाटा और दुख छा जाता है।

मेरे मन में होता है कि वो मेरे पिछले जन्म के दुश्मन रहे होंगे और उस दुश्मनी का बदला लेने के लिए उन्होंने मुझसे विवाह किया होगा। तभी न मेरा मन उन्हें देखते ही उदास हो जाता है और उनकी सूरत मुझे बिल्कुल नहीं भाती। शायद इसी वजह से वो मुझे देखकर जलते रहते हैं। विवाह न किया होता, तो शायद आज सुखी होती। किन्तु दुनिया का दस्तूर है कि बेटी को किसी-किसी न पुरुष के साथ जन्मों के लिए बांध दिया जाता है।

यह क्या जानें कि एक युवती अपने पति को लेकर कितने सपने संजोकर रखती है। उसके लिए उसका पति कितना खास होता है, लेकिन यहां सब उल्टा है। इन्हें देखते ही मेरे सीने में जलन सी होने लगती है। कभी इन्हें देखकर आंखों को वो शीतलता नहीं मिली, जो पति को देखकर एक युवती को मिलनी चाहिए। उधर, सुशीला को देखती हूं, तो दुख और बढ़ जाता है। वो हमेशा हंसती-मुस्कुराती है। कभी अपनी गरीबी का रोना नहीं रोती। न उसके पास कपड़े अच्छे हैं और न ही गहने। मकान भी छोटा सा है। मन में होता है कि काश! मैं अपना धन देकर उसकी परेशानियां ले लेती। फिर होता है कि उसका पति ही उसका सबसे बड़ा धन है। उसी से सुशीला को पूरी दुनिया का सुख मिल जाता होगा।

सालों से इस सवाल को मन में दफन करने के बाद होते-होते एक दिन मुझसे रहा न गया। आखिर मैंने अपने पति से यह सवाल कर ही लिया कि आपने मुझसे शादी क्यों की थी? इस सवाल को सुनते ही मेरे पति ने मुंह बना लिया। वो चिढ़ते हुए बोले, "अपना घर-परिवार संभालने के लिए और क्या? भोग के लिए नहीं? इतना सुनते ही मैंने पूछा, "क्या मैं सिर्फ इस घर का ख्याल रखने के लिए हूं?"

उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। फिर मेरे मन में हुआ कि पहले इस घर का सारा सामान जहां-तहां पड़ा रहता था। नौकर सब पूरा पैसा बर्बाद करते थे। अब मैं आ गई हूं तो इन सबका ख्याल रखना ही मेरा धर्म है और मुझे यह सोचकर खुश होना चाहिए कि इतनी संपति मेरे पास है।

पहले मैं पूरे घर का ख्याल इनके बिना कहे रखती थी, लेकिन अब कुछ नहीं करूंगी। ऐसे घर की किसी भी वस्तु को मैं आगे से हाथ नहीं लगाऊंगी। लेकिन, कोई पुरुष विवाह सिर्फ घर संभालने के लिए थोड़ी करता है। उन्होंने जरूर ये जवाब मुझे गुस्से में चिढ़कर दिया है। वैसे सुशीला ठीक ही कहती थी कि एक घर महिला के बिना अधूरा होता है। ठीक उसी तरह से जैसे एक पिंजरा बिना किसी चिड़िया के खाली लगता है।

मैं समझ नहीं पाती हूं कि आखिर इन्हें मुझपर इतना संदेह क्यों होता है। मैं किसी से बात तक नहीं करती और न ही कहीं बाहर आती-जाती हूं। ऐसे में शक करने की कोई वजह भी नहीं है। क्या इन्हें समझ नहीं आता कि मैं घर की इज्जत और मान-मर्यादा के बारे में सब कुछ समझती हूं। किसी भी तरह की गलत हरकत करने की तो दूर मैं उसके बारे में सोच भी नहीं सकती हूं। कभी-कभी मुझे लगता है कि आधे से ज्यादा उम्र निकल जाने पर विवाह करने वाले बुजुर्ग लोगों का यही हाल होता होगा। बेवजह ही अपनी पत्नी पर शक करते होंगे।

सुशीला के बहुत बार कहने पर आज मैं उसके साथ ठाकुर जी की झांकी के दर्शन करने के लिए जाने वाली थी। मैं अपने बाल संवार ही रही थी कि तभी मेरे पति कहीं से आ गए। उन्होंने मुझे देखते ही पूछा, "किधर जाने की तैयारी हो रही है?" मैंने जवाब में कहा कि ठाकुर जी की झांकी आज निकल रही है उसी को देखने के लिए सुशीला के साथ जाना है। इतना सुनते ही वो गुस्से में बोले कि तुम्हें कहीं जाने की जरूरत नहीं है। अपने पति की जिससे सेवा नहीं हो सकती है, उसे भगवान के दर्शन से भी कोई लाभ नहीं मिलता है। उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं महिलाओं को अच्छे से।

उनकी यह बात सुनते ही मुझे बहुत बुरा लगा। गुस्से में मैंने कपड़े बदल लिए और चुपचाप बैठ गई। मन में हुआ कि उसी वक्त घर छोड़कर चली जाऊं। फिर देखती हूं कि कैसे रोकते हैं, लेकिन पता नहीं क्या हुआ कि जा नहीं पाई। इनके मन में हमेशा ये होता है कि मुझे हरदम खुश रहना चाहिए, क्योंकि मैं इतने बड़े घर और दौलत की मालकिन हूं। मुझे हरदम इनका गुणगान करना चाहिए, लेकिन यह समझते नहीं हैं कि धन-दौलत ही सबकुछ नहीं होता है।

अब ये तीन दिन से बीमार हैं। उन्हें निमोनिया हो गया है और कितने दिनों से यह करहा रहे हैं, लेकिन मैं इन्हें एक बार भी देखने नहीं गई। सभी घर में मौजूद नौकर उनका ख्याल रख रहे थे, लेकिन मेरे दिल में किसी तरह की करुणा इनके लिए नहीं आई। मेरा मन इतना कठोर नहीं था, लेकिन जिस तरह से इन्होंने मुझे इस घर में कैदी की तरह रखा, हरदम शक किया और एक पल भी सुख नहीं दिया, उसके बाद इनके लिए दया मन में नहीं आती है।

मन में होता है कि मुझे दिए गए दुखों का भगवान ने इन्हें दण्ड दिया है। अगर कोई समझे कि महिला को यूं ही किसी पुरुष के गले बांध दें और उसे किसी भी तरीके से रखें सो पूरी तरह गलत है। सुना है कि वो अपनी बीमारी का दोष मुझे ही दे रहे हैं, लेकिन मुझे परवाह नहीं है। ये चाहें, तो किसी को भी अपना धन-दौलत दे सकते हैं। इसकी मुझे बिल्कुल जरूरत नहीं और न ही लोभ है।

होते-होते एक दिन वो गुजर गए। आज उनको गए तीन दिन हो चुके हैं। मैंने उनके जाने के बाद चूड़िया नहीं तोड़ीं। मैं सिंदूर तो पहले भी नहीं लगाती थी और अभी भी नहीं लगाती। मेरे बुजुर्ग पति के बेटे ने ही उनका अंतिम संस्कार किया। घर के सभी लोग तरह-तरह के मुझे ताने देते हैं। मेरे बंधे हुए लंबे बाल देखकर सुनाते हैं, लेकिन मुझे जरा भी बुरा नहीं लगता है। ऊपर से मैं सभी को चिढ़ाने के लिए रंग-बिरंगी साड़ियां भी पहन लेती हूं। मेरे मन में होता है कि मैं इस कैद से रिहा हो गई हूं।

एक दिन मैं सुशीला के घर गई। उसके घर में किसी तरह की सुख-सुविधा नहीं थी। चारपाई तक वहां पर नहीं थी, लेकिन वो इतनी खुश थी कि उसे देखते ही मन में ऊर्जा का संचार हो जाता है। इन लोगों को गरीब और नीच कैसे समझें, जो हरदम मुस्कुराते रहते हैं और प्रेम भरी बातें करते हैं। भले ही यह आनंद पल भर का था, लेकिन इससे जीवन सफल सा लगता है।

फिर एक दिन मैंने सुशीला से पूछा कि अगर तुम्हारे पति किसी दिन परदेश नौकरी के लिए चले गए, तो क्या तुम उनकी याद में रो-रोकर अपनी जान दे दोगी।

सुशीला जवाब में बोली, "नहीं, जान तो नहीं दूंगी, लेकिन उनकी याद से हरदम मन आनंदित होता रहेगा। भले ही वो सालों परदेश में रह लें, लेकिन उनकी याद हमेशा ही मुझे खुशी देती रहेगी।

मैंने भी कहा कि सुशीला मुझे भी ऐसी ही खुशी चाहिए, जिसके आनंद में हमेशा मैं झूमती और गाती रहूं। ऐसा आनंद जो कभी कम ही न हो।

मन आजकल काफी परेशान और चंचल था। होता था कि कहीं एकदम उड़ जाऊं। भक्ति के ग्रंथों को पढ़ने का भी मन न था और न ही बाहर कहीं सैर करने का। ऐसा लगता था कि मन को पता ही नहीं उसे क्या चाहिए, लेकिन मेरे दिल में अपने पुराने दुख ही चल रहे थे। अब मुझे किसी की भी निंदा से फर्क नहीं पड़ता था। दिमाग में यह बात भी उठ रही थी कि मेरे माता-पिता ने पैसों के लोभ में बूढ़े से विवाह करवा दिया और उसने भी सिर्फ अपनी जिद पूरी करने के लिए मेरी मांग में सिंदूर डाला, लेकिन जिंदगी भर शक ही करता रहा।

एक दिन घर के सभी लोग सो रहे थे। कमरे में मेरा दम घुट रहा था, इसलिए मैं दौड़कर उस घर से बाहर की ओर भाग गई। तभी मुझे एक बुढ़िया दिखी। मेरे मन में हुआ कि कहीं वो कोई चुड़ैल न हो। तभी बुढ़िया ने कहा कि किसका रास्ता देख रही हो?

मैंने जवाब में कहा, "मरने की राह देख रही हूं।"

बुढ़िया बोली अभी तुम्हारे नसीब में मौत नहीं है। तुम्हें कई सारे सुख भोगने हैं।

मैंने भी चिढ़ते हुए उस बुढ़िया से पूछा कि इतनी रात में तुम किस्मत की लकीरें पढ़ लेती हो?

"आंखों से थोड़ी पढ़ती हूं। अक्ल से पढ़ लेती हूं। ये काम करते हुए ही सारी उम्र बीती है। तुम्हारे अब अच्छे दिन आ रहे हैं। मैं बस यही चाहती हूं, जिसकी जो मनोकामना हो वो उसे मिल जाए", जवाब देते हुए बुढ़िया ने कहा।

मैंने कहा कि मुझे कोई धन-दौलत नहीं चाहिए और जो मैं चाहती हूं, वह तुम नहीं दे सकती हो।

तब बुढ़िया ने कहा, "मैं जानती हूं तुम्हें जीवन में सिर्फ प्रेम चाहिए और मैं यह तुम्हें दिला सकती हूं। मैं तुम्हें प्यार की नाव में बैठा सकती हूं"

उस अम्मा की बातें सुनकर मुझे लगा जैसे कि वो स्वर्ग से मेरी मदद करने के लिए आई हो। मैंने पूछा, "अम्मा तुम्हारा घर कहां है?"

उसने कहा कि पास में ही है बेटा। मैं उस अम्मा के पीछे-पीछे चलने लगी।

बुढ़िया के पीछे चलते-चलते मुझे पता लगा कि वो किसी स्वर्ग से आई मेरी मददगार नहीं, बल्कि एक डायन ही है। कहां मैं अमृत की तलाश में थी और जहर मिल गया। मैं तो सुशीला जैसा सुख पाना चाह रही थी, लेकिन कहां डायन की चपेट में आ गई। मेरी इस हालत के जिम्मेदार लोभी माता-पिता और मुझे अपनी पत्नी बनाने के ख्वाब देख रहा वो वृद्ध है, जिसने मुझे अपनी जिद के लिए पत्नी बनाया।

मैं अपनी ये आत्मकथा कभी न लिखती, लेकिन मैं चाहती हूं कि सभी माता-पिता ये समझ लें कि पैसा जीवन में सबसे बड़ा नहीं होता है। मेरी चाहत है कि सब लोगों को मेरी आत्मकथा से मालूम हो कि लड़कियों का विवाह यूं ही किसी से नहीं कर देना चाहिए। किसी भी लड़की का गला इस तरह से वृद्ध से विवाह करके न घोंट दो। अब मेरे जीवन में कुछ भी नहीं बचा। सब कुछ सिर्फ मां-बाप के एक फैसले से खत्म हो गया।

कहानी से सीख :

बेटी का विवाह हमेशा योग्य वर से ही करना चाहिए। ऐसा न करने से उसका जीवन नरक के समान हो सकता है। योग्य वर न मिले, तो सही वक्त के लिए रुकिए, लेकिन आनन-फानन में किसी से भी यूं ही बेटी का विवाह न करें।

New Delhi

ममता बोलीं– मेरे पास शाह के खिलाफ पेन ड्राइव, मुझे छेड़ोगे तो छोड़ूंगी नहीं

कोलकाता/नई दिल्ली, (एजेंसी) पश्चिम बंगाल में TMC के IT सेल के चीफ के ठिकानों पर गुरुवार को हुई ईडी रेड के विरोध में TMC दिल्ली से कोलकाता तक विरोध प्रदर्शन कर रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईडी पर दो FIR भी दर्ज कराई है। उन्होंने कोलकाता में मार्च भी निकाला।

इस दौरान ममता बनर्जी ने दावा किया कि उनके पास गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ पेन ड्राइव हैं। उन्होंने कहा- दिल्ली में बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं तक कोयला

घोटाले की रकम पहुंचती है। मेरे पास इसके सबूत हैं। जरूरत पड़ी तो मैं इन्हें जनता के सामने पेश कर सकती हूं। ममता ने कहा, कोयला घोटाले का पैसा सुवेंदु अधिकारी ने इस्तेमाल किया और अमित शाह को भेजा। मैं आमतौर पर प्रतिक्रिया नहीं देतीं, लेकिन अगर कोई मुझे छेड़ता है तो मैं छोड़ती नहीं हूं। इधर कलकत्ता हाईकोर्ट ने कोर्ट परिसर में भारी भीड़ और हंगामे की वजह से ED की याचिका पर सुनवाई टाल दी है। याचिका में ममता बनर्जी के खिलाफ छापेमारी के दौरान हस्तक्षेप करने के आरोप में FIR दर्ज करने की मांग की गई थी।

Noida

मालिक ने बेटे की शादी में नहीं बुलाया तो हुआ आहत, पुलिस के पास जा धमका 60 वर्षीय शख्स!

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसी) कोतवाली में शुक्रवार को एक अजीब मामला सामने आया, जिसे सुनकर पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए। मामला एक दुकान पर काम करने वाले शख्स से जुड़ा है। वह अपने मालिक के बेटे की शादी का निमंत्रण न दिए मिलने से परेशान होकर शुक्रवार शाम कोतवाली शिकायत करने पहुंच गया। शिकायतकर्ता का कहना था कि वह पिछले करीब 30 वर्षों से दनकौर कस्बे में अपने मालिक की दुकान पर काम कर रहा है और मालिक से उसका पारिवारिक जैसा संबंध है।

60 वर्षीय शख्स ने पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले उसके मालिक की बेटे की शादी हुई थी। शादी के बाद भव्य रिसेप्शन भी आयोजित किया गया, लेकिन उसे न तो शादी में बुलाया गया और न ही रिसेप्शन का निमंत्रण दिया गया। इस बात से उसे गहरा दुख पहुंचा और उसे लगा कि उसके साथ उपेक्षा की गई है। इसी मानसिक पीड़ा के चलते वह न्याय की उम्मीद लेकर कोतवाली पहुंचा और पुलिस से शिकायत दर्ज कराने की मांग की। कोतवाली में मौजूद पुलिसकर्मियों ने पूरे मामले को ध्यान से सुना। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह मामला पुलिस कार्रवाई के दायरे में नहीं आता, क्योंकि इसमें कोई कानूनी अपराध नहीं बनता। इसके बाद पुलिस ने शिकायतकर्ता को समझाया कि यह व्यक्तिगत और सामाजिक मामला है, जिसे आपसी बातचीत से सुलझाया जा सकता है।

Karnataka

अयप्पा भक्तों को लेकर जा रही वैन ने खड़ी लॉरी में मारी जोरदार टक्कर, 4 की मौके पर मौत

तुमकुरु, (एजेंसी) कर्नाटक के तुमकुरु जिले में शुक्रवार को भीषण सड़क हादसा हुआ। अयप्पा भक्तों को लेकर जा रही एक वैन ने खड़ी लॉरी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में छोटे बच्चे भी शामिल थे। वहीं, हादसे में कुछ लोग घायल भी हैं, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। यह हादसा सुबह करीब 5 बजे कोरा पुलिस स्टेशन के इलाके में हुआ। अयप्पा भक्त छोटी वैन में यात्रा कर रहे थे। तभी अचानक चालक ने नियंत्रण खो दिया और एक खड़ी लॉरी से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर के बाद गाड़ी का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कोरा एसपी अशोक वेंकट ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचे। पुलिस के मुताबिक, यह घटना तुमकुर के कोरा पुलिस स्टेशन इलाके में सुबह करीब 5 बजे हुई। भक्तों को ले जा रही एक वैन सड़क किनारे खड़ी लॉरी से टकरा गई।

Rajasthan

रिश्वत में मांगा एप्पल का आईफोन 16 प्रो

जयपुर/झालावाड़, (एजेंसी) रिश्वत में लाखों रुपए की नकदी लेने के केस आए दिन सामने आते रहे हैं लेकिन झालावाड़ में रिश्वत का अनोखा मामला सामने आया है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता ने एक व्यक्ति से एप्पल का आईफोन 16 प्रो रिश्वत में मांगा। आईफोन की कीमत सामान्य मोबाइल से काफी ज्यादा होती है। ऐसे में परिवादी ने एसीबी में शिकायत कर दी। एसीबी की टीम ने शिकायत का सत्यापन करने के बाद ट्रेप की कार्रवाई को अंजाम दिया और अधीक्षण अभियंता विष्णु चंद गोयल को गिरफ्तार कर लिया। एसीबी के डीजी गोविंद गुप्ता बताते हैं कि ट्रेप की कार्रवाई झालावाड़ चौकी के अधीन की गई। झालावाड़ में पदस्थापित एक्सईएन विष्णु चंद गोयल को एप्पल

कंपनी का आईफोन रिश्वत में लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। परिवादी ने अपनी शिकायत में बताया कि उससे आईफोन 16 प्रो या 17 देने की मांग की जा रही थी। रिश्वत में देने के लिए खरीदे जाने वाले मोबाइल का बिल भी एक्सईएन विष्णु चंद गोयल के नाम का बनाना था।

खेल

6,4,6,4...आखिरी चार गेंदों पर पलटा मैच, डीक्लार्क ने उड़ाईं मुंबई की धज्जियां, आरसीबी की पहली जीत

मुंबई। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के चौथे संस्करण का आगाज बेहद रोमांचक अंदाज में हुआ। शुक्रवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए उद्घाटन मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गत विजेता मुंबई इंडियंस (एमआई) को तीन विकेट से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने सजीवन सजना और निकोला कैरी के बीच हुई 82 रनों की अहम साझेदारी के दम पर 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 154 रन बनाए। जवाब में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने नादिन डी क्लार्क की 63 रनों की नाबाद और मैच जिताऊ पारी के सहारे सात विकेट पर 157 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

155 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की शुरुआत तेज रही, लेकिन मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों ने समय-समय पर विकेट निकालकर मुकाबले को रोचक बनाए रखा। हालांकि, अंत में नादिन डी क्लार्क की शानदार नाबाद पारी ने आरसीबी को जीत तक पहुंचा दिया। आरसीबी को पहला झटका 4.6 ओवर में लगा, जब ग्रेस हैरिस (25 रन) को नेट शीवर-ब्रंट ने अपना शिकार बनाया। इसके बाद कप्तान स्मृति मंधाना (18 रन) 3.5 ओवर में शबनिम इस्माइल की गेंद पर आउट हुईं। पावरप्ले में दो विकेट गिरने से आरसीबी पर दबाव बना। तीसरा विकेट सातवें ओवर में गिरा, जब दयालन हेमलता (7 रन) को अमनजोत कौर ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद राधा यादव (1 रन) भी 7.1 ओवर में अमेलिया केर की गेंद पर पवेलियन लौट गईं। आठ ओवर से पहले चार विकेट गिरने के बाद आरसीबी मुश्किल में दिख रही थी।

इसके बाद विकेटकीपर ऋचा घोष (6 रन) ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन वह भी 7.4 ओवर में निकोला कैरी की गेंद पर आउट हो गईं। 65 रन पर पांच विकेट गिरने के बाद आरसीबी की हार लगभग तय मानी जा रही थी। मिडिल ऑर्डर में अरुंधति रेड्डी (20 रन) ने नादिन डी क्लार्क का अच्छा साथ दिया, लेकिन वह 16.1 ओवर में निकोला कैरी की गेंद पर आउट हो गईं। इसके बाद श्रेयंका पाटिल (1 रन) भी 17वें ओवर में कैरी का दूसरा शिकार बनीं। एक छोर पर नादिन डी क्लार्क डटी रहीं। उन्होंने 44 गेंदों पर 63 रनों की नाबाद पारी खेली। इस पारी में क्लार्क सात चौके और दो छक्के लगाए। अंतिम ओवर में 18 रनों की जरूरत थी, जहां डी क्लार्क ने नेट सिवर-ब्रंट की गेंदों पर दो चौके और दो छक्के जड़कर मुकाबला आरसीबी के नाम कर दिया।

सिनेमा

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे शर्मिला टैगोर के वकील

सुप्रीम कोर्ट में आवारा कुत्तों के मामले में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन सुनवाई हुई। याचिकाकर्ताओं में से एक एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर इस समस्या से निपटने के लिए हाल ही में उठाए गए कदमों का विरोध किया। उनके वकील ने कहा कि सभी कुत्ते आक्रामक नहीं होते। दिल्ली एम्स में गोल्डी नाम का एक कुत्ता है, जो सालों से वहां है लेकिन कभी किसी को नहीं काटा। इस बात पर कोर्ट ने टैगोर के वकील को फटकार लगाते हुए कहा, 'क्या उस कुत्ते को हॉस्पिटल के ऑपरेशन थिएटर भी ले जाया गया है? सड़कों पर रहने वाले कुत्तों में अक्सर कीड़े-मकोड़े होते हैं और हॉस्पिटल में ऐसे संक्रमित कुत्तों की मौजूदगी से भयावह स्थिति हो सकती है।' क्या आपको इसकी समझ है? हम आपको इस बहस की वास्तविकता से अवगत कराएंगे। आप सच्चाई से बिल्कुल परे हैं और हॉस्पिटल में ऐसे कुत्तों को अच्छा दिखाने या महान साबित करने की कोशिश न करें। वहीं ऑल क्रिएचर्स ग्रेट एंड स्मॉल (ACGS) संस्था की ओर से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि इस मामले में कानून पहले से मौजूद हैं, इसलिए कोर्ट को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। जब संसद ने दखल नहीं दिया है, तो अदालत भी इसमें न आए।

Highlights

1. **Hyd police bust inter-state drug racket using pan masala cover**
2. **Sena-NCP form group to keep BJP away from power in Maha's Ambernath**
3. **Unfortunate day: I-PAC on ED raids at chief Pratik's residence**
4. **India closer to hypersonic missiles as DRDO successfully tests scramjet combustor**
5. **SIT arrests former chief priest in Sabarimala theft case**

Union Budget 2026 set for a Sunday: Dates, history and key expectations

NEW DEIHI, (Agency). The dates for the much-anticipated Union Budget 2026 are officially out. In a move that breaks from recent tradition, Finance Minister Nirmala Sitharaman is set to present Union Budget 2026 on 1 February, which falls on a Sunday.

The Cabinet Committee on Parliamentary Affairs has finalised the budget schedule. Here are the key dates:

The Budget Session of the Parliament will commence on 28 January 2026 and continue till 2 April 2026.

The first phase concludes on 13 February 2026. The second phase will convene on 9 March 2026.

The Economic Survey 2025-26 will be presented on 29 January 2026.

The Union Budget 2026-27 will be tabled on 1 February 2026.

A Rare Sunday Presentation

This will be the first time a Union Budget is presented on a Sunday.

In 1999, then Finance Minister Yashwant Sinha presented the Union Budget on 27 February (Saturday) and not on 28 February (Sunday). As per convention then, the Union Budget had to presented on the last day of February.

The budget date was shifted to 1 February from 28 February in 2017 to ensure funds are allocated by the start of the financial year — 1 April.

Nirmala Sitharaman's Budget Tally

Union Budget 2026 will be the ninth consecutive presentation by Sitharaman, which brings her within striking distance of former Prime Minister Morarji Desai's all-time record of 10 budget presentations.

Sitharaman is already the record-holder for the most consecutive budgets presented by a single Finance Minister.

Her tally includes seven full Union Budgets (July 2019, February 2020, February 2021, February 2022, February 2023, July 2024, February 2025) and one Interim Budget (February 2024).

Jio Platforms said to consider 2.5% stake sale in biggest India IPO

NEW DEIHI, (Agency). Jio Platforms Ltd. plans to offload shares equivalent to 2.5% stake in its IPO planned for 2026, a move that could make it the country's largest-ever IPO worth more than $4 billion.

The company, led by Mukesh Ambani, is the parent of India's largest telecom operator Reliance Jio - with more than 500 million users. Its debut is the country's most highly anticipated IPO this year.

In November, investment bank Jefferies estimated that Reliance Jio's valuation stood at

$180 billion. At that valuation, a 2.5% stake sale would raise $4.5 billion, dwarfing Hyundai Motor India's $3.3 billion IPO last year.

Over the past six years, Jio has diversified into artificial intelligence and raised funds from well-known investors including KKR, General Atlantic, Silver Lake and the Abu Dhabi Investment Authority.

Reliance would like to list only 2.5% of Jio's shares given the large size of the company, the sources said, even though a proposal from India's market regulator to reduce the minimum size of share sales for large companies seeking IPOs to 2.5% from 5% is awaiting approval from the finance ministry.

"The preference is to list 2.5% at this point if the law gets changed as a smaller amount creates more pricing tension," one of the sources with direct knowledge said, adding that some bankers were pitching a valuation of $200 billion to $240 billion for the business, though Reliance hasn't decided on a firm number.

DETECTIVE GROUP
Detecting the truth

I AM NOT

- a Lover but will support you.
- a Friend but will guide you.
- a Lawyer but will assist you in getting justice.
- a Police but will help you in finding an evidences.
- an Uncle but will help in knowing your upcoming family's details.
- a Teacher but will suggest you a right direction.
- a Doctor but will cure your problems.
- a Driver but will take you to correct destination.

WHO AM I?
I AM THE DETECTIVE !

Helping Secretly & Securely...

WWW.DETECTIVEGROUP.IN

Visit our website & Submit your Query...
Team will contact you within 24 hrs...

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक